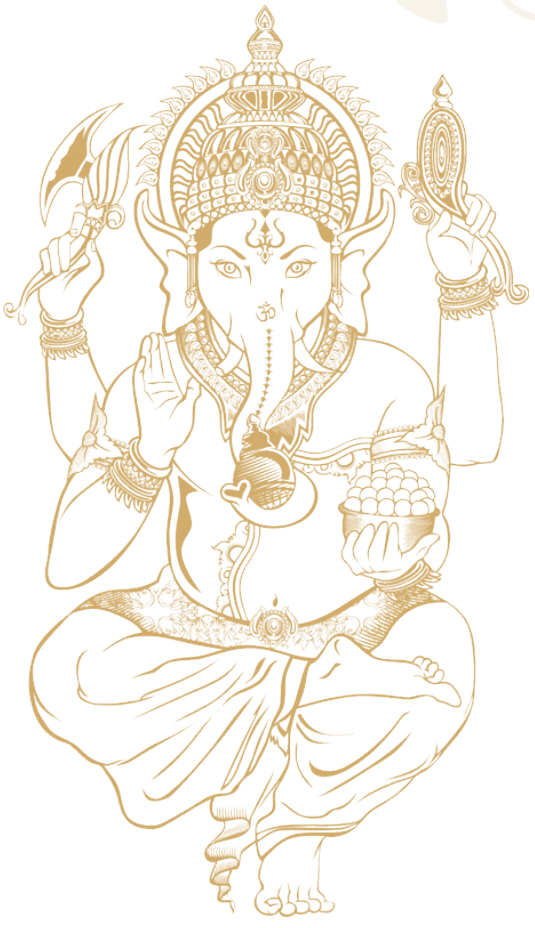

Prajwal singh

Sanjana singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121077201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121077201 Date: 27/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/04/1998	जन्म तिथि	29/12/1999
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 18:18:00	जन्म समय	23:45:00 घंटे
घटी 29:39:59	जन्म समय(घटी)	41:25:43 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Gandhidam
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	23:07:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	70:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:49:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:00	सूर्योदय	07:29:32
18:54:29	सूर्यास्त	18:12:53
23:49:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:11

कन्या	लग्न	सिंह
बुध	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
हस्त	नक्षत्र	हस्त
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	2
ध्रुव	योग	शोभन
वणिज	करण	कौलव
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	महिष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 10मा 30दि		18:50:29	कन्या	लग्न	सिंह	28:29:35	चन्द्र 5वर्ष 8मा 5दि	
राहु		26:37:09	मीन	सूर्य	धनु	13:43:24	राहु	
10/03/2014		11:26:45	कन्या	चंद्र	कन्या	15:45:29	03/09/2012	
10/03/2032		04:17:25	मेष	मंगल	कुंभ	01:59:07	04/09/2030	
राहु	21/11/2016	19:51:38	मीन व	बुध	धनु	03:47:31	राहु	18/05/2015
गुरु	16/04/2019	21:28:38	कुंभ	गुरु	मेष	01:18:04	गुरु	10/10/2017
शनि	20/02/2022	10:40:32	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	04:24:18	शनि	16/08/2020
बुध	09/09/2024	29:08:28	मीन	शनि व	मेष	16:36:14	बुध	06/03/2023
केतु	27/09/2025	16:15:12	सिंह व	राहु	कर्क	10:11:05	केतु	23/03/2024
शुक्र	27/09/2028	16:15:12	कुंभ व	केतु	मक	10:11:05	शुक्र	24/03/2027
सूर्य	22/08/2029	18:21:08	मक	हर्ष	मक	20:49:12	सूर्य	16/02/2028
चन्द्र	20/02/2031	08:10:30	मक	नेप	मक	09:14:36	चन्द्र	16/08/2029
मंगल	10/03/2032	13:58:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	17:30:16	मंगल	04/09/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:11

लग्न-चलित

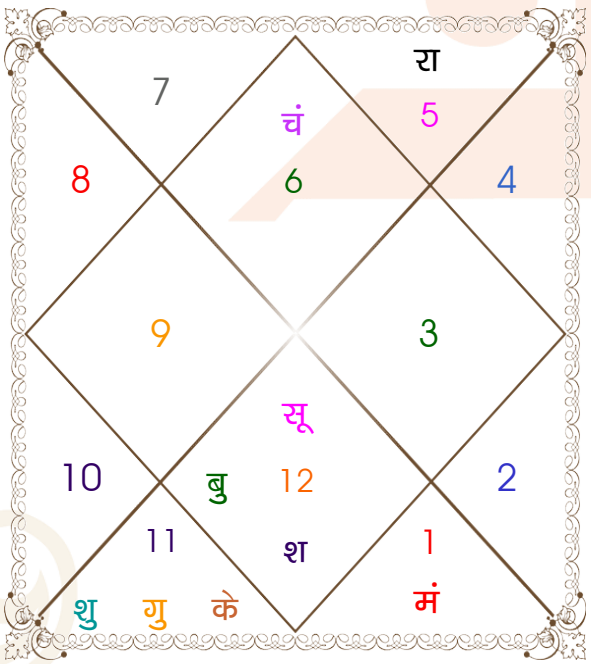

लग्न-चलित

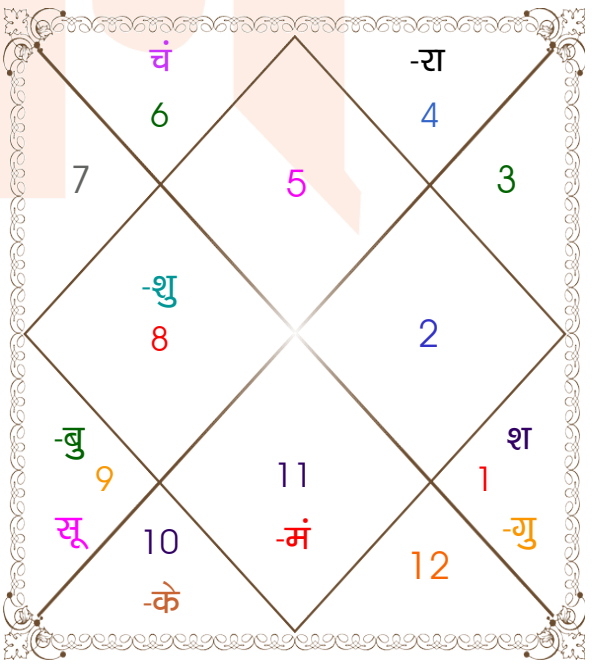

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : **28 / 36**

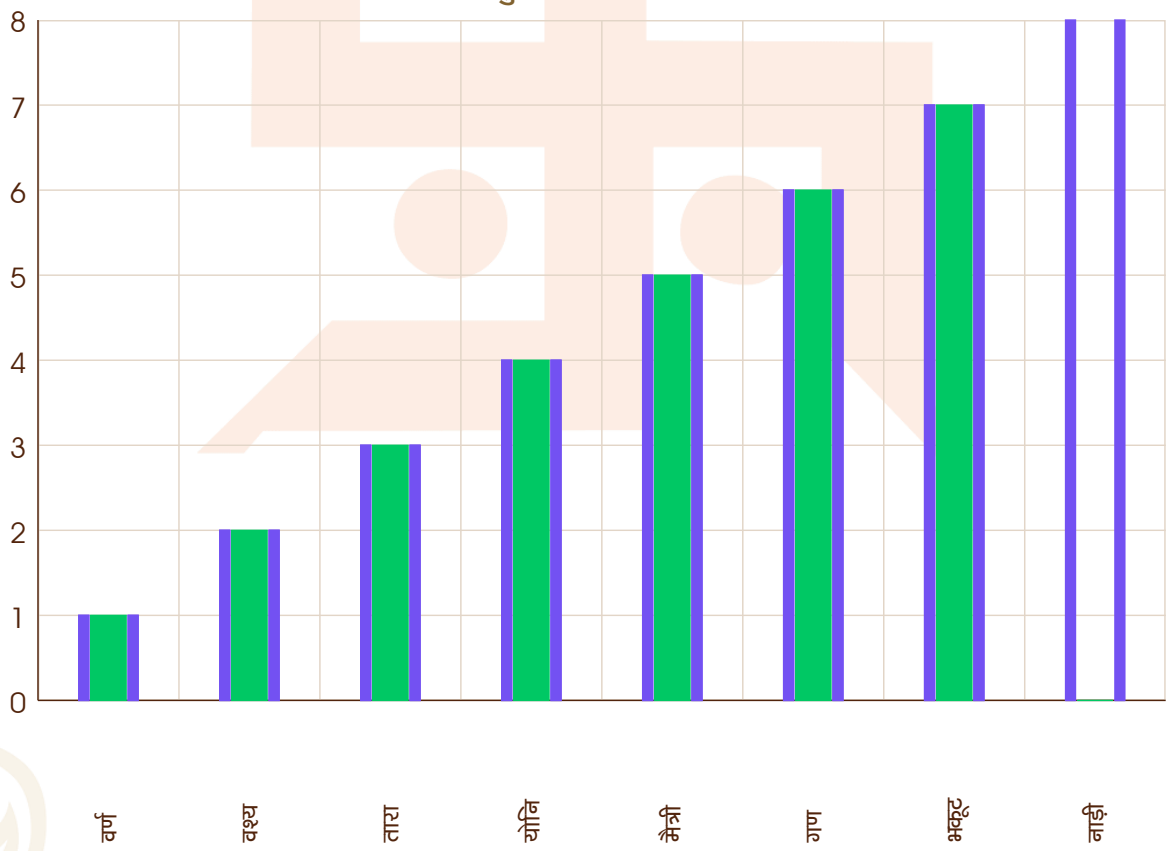

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

च्तंूस`पदही  का वर्ग मूषक है तथा ैदरंद`पदही का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंूस`पदही  और ैदरंद`पदही का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंूस`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ैदरंद`पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि च्तंूस`पदही कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

च्तंूस`पदही  तथा ैदरंद`पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

च्तंूस`पदही  का वर्ण वैश्य है तथा ँदरंद`पदही का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण च्तंूस`पदही  और ँदरंद`पदही दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। च्तंूस`पदही  और ँदरंद`पदही दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

च्तंूस`पदही  का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ँदरंद`पदही का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। च्तंूस`पदही  एवं ँदरंद`पदही दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

च्तंूस`पदही  की तारा जन्म तथा ँदरंद`पदही की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

च्तंूस`पदही  की योनि महिष है तथा ँदरंद`पदही की योनि भी महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या

का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्तंरूस`पदही  एवं`दरंदं`पदही  दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि च्तंरूस`पदही एवं`दरंदं`पदही दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

च्तंरूस`पदही  का गण देव तथा`दरंदं`पदही का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

च्तंरूस`पदही  एवं`दरंदं`पदही  दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान च्तंरूस`पदही एवं`दरंदं`पदही तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

च्तंरूस`पदही  की नाड़ी आद्य है तथा`दरंदं`पदही  की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। च्तंरूस`पदही एवं`दरंदं`पदही दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

9835195382

मेलापक फलित

स्वभाव

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त राशि कन्या है। इसके शुभ प्रभाव से च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही के मध्य स्वाभाविक समानता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही दोनों की जन्म राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर मित्रता सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे की सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे दाम्पत्य संबधों में स्नेह की वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व को सम्मान प्रदान करके सुख पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा एक दूसरे को पूर्ण सहयोग एवं सहानुभूति प्रदान करने में समर्थ होंगे। इनकी एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी तथा सदगुणों की प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर वैवाहिक जीवन का सुखोपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही दोनों का वश्य मानव है। अतः समान वश्य होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकता समान होगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन की मधुरता बनी रहेगी।

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता तथा प्रवृति में समानता होगी तथा धनार्जन संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही वणिक बुद्धि से सांसारिक कार्य कलाप करने में तत्पर होंगे।

धन

च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से च्तंूस`पदही  और ँदरदं`पदही सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

च्तंूस`पदही को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने

9835195382

में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः सामान्य दृष्टि से उन्हें नाड़ी दोष होना चाहिए लेकिन वे एक ही नक्षत्र के अलग अलग चरणों में पैदा हुए है अतः यह दोष समाप्त हो जाता है परन्तु मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर प्रभाव रहेगा। अतः इसे च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही गर्मी या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। ँदरंद`पदही को स्त्रीजन्य गुप्त रोगों संभावना रहेगी जबकि च्तंरूस`पदही हृदय संबंधी समस्याओं से परेशान रहेंगे। साथ ही संभोग शक्ति की शिथिलता भी दृष्टिगोचर होगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता करने के लिए च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के नियमित उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ँदरंद`पदही के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ँदरंद`पदही को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ँदरंद`पदही को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार च्तंरूस`पदही और ँदरंद`पदही का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ँदरंद`पदही के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही ँदरंद`पदही सास से

अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में ँदरंदं`पदही को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदिँदरंदं`पदही धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से ँदरंदं`पदही के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से हीँदरंदं`पदही ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

च्तंरूंस`पदही के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को च्तंरूंस`पदही अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी च्तंरूंस`पदही के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण च्तंरूंस`पदही के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।